भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अंतारांकित प्रश्न संख्या: 979
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 29 जुलाई, 2024
07 श्रावण 1946 (शक)

केरल में चट्टानों पर नक्काशी

979. श्री वी.के. श्रीकंदन:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
(क) क्या यह तथ्य है कि केरल में कई स्थानों पर चट्टानों पर नक्काशी के भंडार मिले हैं और हाल ही में कासरगोड गांव में महापाषाण काल के पत्थर पर एक ऐसी ही सांप की नक्काशी की कलाकृति मिली है;
(ख) क्या संरक्षण के अभाव अथवा जागरूकता के अभाव के कारण ऐतिहासिक महत्व के कई ऐसे स्थल नष्ट हो रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार की ऐसे क्षेत्रों को संरक्षित करने की कोई योजना है, जिन्हें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संज्ञान में नहीं लाया गया है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हाँ। कासरगोड जिले के पुथुकाई गांव के अलिंकीझिल में चट्टान पर एक साँप की नक्काशी पाई गई है। कासरगोड जिले के होसादुर्ग तालुक के चीमेनी गांव के अरियित्तुपरा में चट्टान पर की गई नक्काशी का दस्तावेजीकरण केरल के पुरातत्व विभाग द्वारा किया गया है।

(ख): ऐसे किसी स्थल के नष्ट होने की कोई सूचना नहीं मिली है।

(ग) और (घ): केरल के राज्य पुरातत्व विभाग ने कासरगोड जिले के होसादुर्ग तालुका के चीमेनी गांव के अरियित्तुपरा, कन्नूर जिले के पय्यन्नूर तालुका के कंकोल अलापटम्बा गांव के एट्टुकुडुक्का और मलप्पुरम जिले के तिरुर तालुका के इरुम्पिलयम गांव के परम्बथुक्कावु में चट्टानों पर की गई नक्काशी को संरक्षित करने के लिए कदम उठाए हैं।

*****